हिन्दी पाक्षिक

सेमन्या कण्वघाटी

RNI No.: UTTHIN/2013/54659

वर्ष-12 अंक-10 हरिद्वार, मंगलवार,01 अप्रैल, 2025 मूल्य-दो रूपया मात्र पृष्ठ-8

पहाड़ों में रेल का सपना जल्द होगा साकार:सीएम

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को सर्वे स्टेडियम, देहरादून में राज्य सरकार के सेवा, सुशासन और विकास के तीन साल पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने जन समस्याओं के समाधान के लिए लगाए गए बहुउद्देशीय शिविर का अवलोकन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने हाथीबड़कला से सर्वे स्टेडियम तक भव्य रोड शो में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य स्थापना वर्ष के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राज्य के शहरों में देवभूमि सिल्वर जुबली पार्क का निर्माण किया जायेगा। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम्य विकास विभाग की स्वयं सहायता समूह को क्रेडिट कार्ड लिंकेज के चेक, लाभार्थियों को महालक्ष्मी किट और कृषि यंत्र भी वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के समग्र विकास के लिए हर क्षेत्र में तेजी से कार्य किये जा रहे है। प्रदेश में शहरों से लेकर सुदूर गांवों तक सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है, वहीं ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का कार्य पूर्ण कर जल्द ही पहाड़ों में रेल का सपना साकार करने की दिशा में भी तेजी से कार्य किया जा रहा है।

इसके साथ ही, उड़ान योजना के माध्यम से देहरादून, अल्मोड़ा, उत्तराकाशी, गौचर और पिथौरागढ़ सहित प्रदेश के लगभग 12 नगरों के लिए हेली सेवाएँ प्रारंभ होने से राज्य की एयर कनेक्टिविटी मजबूत हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे का कार्य तेजी से पूर्ण किया जा रहा है। साथ ही देहरादून में रिस्पना और बिंदाल नदी के ऊपर फोरलेन एलिवेटेड रोड का निर्माण करने की योजना भी तैयार की जा रही है। देहरादून में 1400 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न परियोजनाओं पर कार्य कर रहे हैं। शहर में स्मार्ट स्कूलों की स्थापना करने के साथ ही लैंसडाउन चौक पर 650 पाठकों की क्षमता वाली अत्याधुनिक लाइब्रेरी का निर्माण किया गया है। एक ओर जहां, शहर में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 30 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जा रहा है, वहीं निजी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 11 स्थानों पर चार्जिंग स्टेशनों का निर्माण भी किया जा रहा है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि आमजन के हित में सरकार के लिए गए फैसले देश में नजीर बन गए हैं। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों में अनेकों जन कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के साथ ही इन योजनाओं को प्रदेश के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लेकर कार्य किया है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए विभिन्न जागरुकता अभियान चलाने के साथ ही हमने लगभग सभी योजनाओं की आवेदन प्रक्रिया को ऑनलाइन किया है। साथ ही यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि प्रदेश वासियों को घर बैठे ही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

गौरतलब है कि सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देहरादून के साथ ही पूरे प्रदेश में जनपद, विधानसभा और ब्लॉक स्तर पर बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में, एक ही स्थान पर लोगों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ मौके पर ही आवेदन और निस्तारण आदि की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

इस अवसर पर मेयर देहरादून श्री सौरभ थपलियाल, दर्जधारी राज्य मंत्री डॉ. देवेंद्र भसीन, श्री कैलाश पंत, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मसूरी श्रीमती मीरा सकलानी, भाजपा के महानगर अध्यक्ष श्री सिद्धार्थ अग्रवाल, भाजपा युवा मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती नेहा जोशी एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने लक्ष्मीनारायण घाट रुड़की में किया मां गंगा आरती का शुभारंभ

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को रुड़की में लक्ष्मीनारायण मंदिर, उत्तरी गंगनहर स्थित लक्ष्मीनारायण घाट पर आयोजित मां गंगा आरती का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने पूर्ण विधि विधान के साथ नवसंवत्सर चैत्र नवरात्रि के अवसर पर मां गंगा की आरती के शुभारंभ को मां गंगा के प्रति हमारी आस्था का प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां गंगा का उद्गम क्षेत्र होने के नाते गंगा की पावनता के प्रति भी हम सबको समेकित प्रयास करने होंगे। इस अवसर पर विधायक प्रदीप बत्रा के साथ ही मंदिर समिति के सदस्य एवं स्थानीय जनता उपस्थित थी।

वैश्य समाज संगठित रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे : सांसद बंसल

हरिद्वार । राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने कहा कि वैश्य समाज देश की आर्थिक रीढ़ है। समाज को संगठित रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। कहा कि सभी को राष्ट्र निर्माण में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने यह बातें रविवार को वैश्य समाज के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में कही। हरिद्वार में वैश्य बंधु समाज मध्य की ओर से महाराजा अग्रसेन वार्षिकोत्सव के अवसर पर कृष्ण लीला फाग महोत्सव और पारिवारिक मिलन समारोह बड़े धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि सांसद नरेश बंसल और नव निर्वाचित पार्षद अन्नू मेहता, हिमांशु गुप्ता को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। अध्यक्ष नीरज कुमार गुप्ता, महामंत्री राजीव गुप्ता और संरक्षक डॉक्टर विशाल गर्ग ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में वृंदावन ब्रजधाम के कलाकारों ने ब्रज वंदना, राधा कृष्ण युगल नृत्य, माखन मटकी नृत्य, राधा जी भाव नृत्य, मयूर नृत्य, कृष्ण सुदामा चरित्र, डांडिया रास, दान लीला, लठमार एवं फूलों की होली मनमोहक प्रस्तुति दी गई। अति विशिष्ट अतिथि मेयर किरन जैसल ने कहा कि समाजहित में ऐसे आयोजनों से आपसी एकता और सहयोग को बढ़ावा मिलता है।

सरकार के पिछले तीन वर्ष स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाएंगे : धामी

हरिद्वार । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड की जनता ने एक मिथक और परिपाटी को तोड़ दिया है। जनता ने लगातार भारतीय जनता पार्टी को दूसरी बार सरकार में आने का मौका दिया। उन्होंने दूसरी बार शपथ लेते हुए ये संकल्प लिया था कि जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का काम करेंगे। जिस विश्वास पर जनता ने जिम्मेदारी सौंपी थी उस विश्वास पर खरा उतरने का काम किया है। सीएम ने कहा कि उनकी सरकार के ये पिछले तीन वर्ष स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाएंगे। उत्तराखंड के स्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए विकास की तमाम योजनाएं चलाई जा रही हैं। यह

बातें सीएम धामी ने रविवार को उत्तराखंड सरकार के तीन साल पूरे होने के उपलक्ष्य में वर्चुअल माध्यम से जुड़कर लोगों को संबोधित करते हुए कहीं। हरिद्वार के ऋषिकुल मैदान में उत्तराखंड सरकार के तीन साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 'सेवा सुशासन और विकास के तीन वर्ष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें राज्यसभा सांसद डॉ. कल्पना सैनी, नगर विधायक मदन कौशिक और डीएम कर्मेंद्र सिंह समेत कई विभागों के अधिकारी और हजारों लोग मौजूद रहे। इस दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक वितरित किए गए। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल जुड़कर कार्यक्रम को संबोधित किया।

सम्पादकीय

पूर्वोत्तर में चौतरफा अविश्वास

मणिपुर के जातीय दंगों और अलग अलग समुदायों के लोगों का एक दूसरे को पहचान कर उन पर हमला करने की खबरे आए दिन आती रहती है। शुक्रवार को यह खबर देखने को मिली कि असम में भाजपा का बिहार दिवस मनाने का कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। भारतीय जनता पार्टी ने बिहार चुनाव को देखते हुए उन तमाम जगहों पर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत स्नेह मिलन' के नाम पर बिहार दिवस मनाने का फैसला किया था। लेकिन असम में स्थानीय संगठनों ने इसका विरोध किया। पूर्वी असम के तिनसुकिया में भाजपा की ओर से 22 मार्च को बिहार दिवस मनाने के फैसले का कई संगठनों ने विरोध किया। प्रतिबंधित संगठन उल्फा (आई) ने इस आयोजन के गंभीर नतीजे भुगतने की चेतावनी दी। उसने इसे असम की संस्कृति और विरासत पर हमला बताया। ध्यान रहे पूर्वी असम के तिनसुकिया इलाके में प्रवासी बिहारियों की अच्छी खासी संख्या है। लेकिन वहां बिहार दिवस मनाने की खबर सामने आने के बाद उल्फा (आई) ने एक बयान जारी करके कहा, 'हम बाहरी लोगों द्वारा बिहार दिवस का उत्सव बर्दाश्त नहीं करेंगे'। उल्फा (आई) तो प्रतिबंधित संगठन है लेकिन उसके अलावा ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन, अखिल गोगोई के रायजोर दल और असम जातीय परिषद ने भी बिहार दिवस के आयोजन का विरोध किया। ये चुनाव लड़ने वाले मुख्यधारा के संगठन और पार्टियां है। असम जातीय परिषद के नेता लुरिनज्योति गोगोई ने कहा, 'जब से बीजेपी सत्ता में आई है, वह लगातार असम पर बिहार और उत्तर प्रदेश की भाषा और संस्कृति थोपने की कोशिश कर रही है। यह बीजेपी-आरएसएस के 'एक राष्ट्र, एक भाषा, एक धर्म' के एजेंडे का हिस्सा है'। उन्होंने यह भी कहा कि इसके लिए सरकार हिंदी भाषा और संस्कृति का विस्तार करने और असमिया भाषा और परंपराओं को कमजोर करने का काम कर रही है। इसी तरह असम के विधायक और रायजोर दल के अखिल गोगोई ने भी बिहार दिवस मनाने का विरोध किया। सोचें, क्या फर्क है तमिलनाडु के और असम के विरोध में? तमिलनाडु की एमके स्टालिन की सरकार भी यही कह रही है कि भाजपा एक संस्कृति, एक धर्म, एक भाषा थोपने की कोशिश कर रही है और असम के स्थानीय लोग और संगठन भी यही बात कह रहे हैं। जाहिर है कि कहीं न कहीं बड़ी गड़बड़ है, जिसकी वजह से हर जगह विभाजन बढ़ रहा है। नफरत बन रही है।

मुफ्त की रेवडियां बांटने पर लगे रोक

पिछले 15 दिनों से शेयर बाजार लगातार नीचे गिर रहा है। बाजार का यह ट्रेंड विश्वव्यापी है।अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संस्थाएं चिंता जाहिर कर रहीं हैं कि दुनिया की अर्थव्यवस्था मंदी की ओर बढ़ रही है। इसके कई कारण है लेकिन एक महत्वपूर्ण कारण डोनाल्ड ट्रंप का चुनाव जीतना भी है। उनकी नीतियों और बयानों ने आर्थिक जगत में उथल-पुथल मचा दी है। ऐसे में केंद्र और राज्य सरकारों को राजकोषीय घाटे में कमी करने की जरूरत है। जबकि राज्य सरकारें मुफ्त की योजनाएं यानी रेवड़ियां बांटने पर उतारू हैं। हाल ही में दिल्ली कैबिनेट ने 'महिला समृद्धि योजना' पर मुहर लगाई और गरीबी-रेखा के तले (बीपीएल) वाली महिलाओं को 2500 रुपए प्रति माह देने की घोषणा की। जब यह योजना लागू हो जाएगी, तो करीब 17 लाख महिलाओं को फायदा मिलने का अनुमान है।दिल्ली में करीब 72 लाख महिलाएं हैं, जिनमें से करीब 45 प्रतिशत ने भाजपा के पक्ष में वोट दिया था। अकेली इस योजना पर सालाना लगभग 52 सौ करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। जबकि दिल्ली का कुल बजट लगभग 75000 करोड़ है। इसका बड़ा हिस्सा पेंशन और वेतन यानी एस्टेब्लिशमेंट पर खर्च होता है। आने वाले 2 वर्षों में आठ राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। जाहिर है सभी राज्यों में खुलकर रेवड़ियां बांटी जाएंगी। दरअसल, अब समय आ गया है जब इस सिलसिले को रोकने की आवश्यकता है। अन्यथा देश की अर्थव्यवस्था को बेपटरी होने से कोई नहीं बचा सकता। देश के कई राज्यों में अर्थव्यवस्था चरमराने लगी है।जैसे पंजाब में 2022 के विधानसभा चुनाव के समय आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को 1000 रूपए प्रति महीना देने का वादा किया था। लेकिन 3 वर्ष के बाद भी पंजाब की भगवंत सिंह मान सरकार अपना वादा पूरा नहीं कर पा रही है। यही स्थिति कर्नाटक, हिमाचल, तेलंगाना सरकारों की है। जाहिर है अर्थव्यवस्था की हालत को देखते हुए इस पर अब रोक लगाने की जरूरत है।बहरहाल, एक और खबर छन कर आ रही है कि भाजपा 'मुफ्त की रेवड़ियों' से इतना परेशान हो चुकी है कि पार्टी के भीतर 'वैकल्पिक मॉडल' पर विमर्श किया जा रहा है।यह विचार तभी कौंधा था, जब दिल्ली चुनाव के 'संकल्प-पत्र' पर रणनीति तैयार की जा रही थी, लेकिन केजरीवाल की 'रेवड़ी राजनीति' ने देश के सभी प्रमुख राजनीतिक दलों को 'मुफ्तखोरी' परोसने को बाध्य किया है।भाजपा को भी दिल्ली चुनाव में मजबूरन करना पड़ा।अब भाजपा 2026 में असम चुनाव के साथ ही रेवड़ियों के बजाय आर्थिक, व्यावसायिक मदद के वैकल्पिक मॉडल पेश करना चाहती है। देश के प्रमुख 7 राज्यों-मप्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, झारखंड, गुजरात-में 8।1 करोड़ महिलाओं को करीब 1।24 लाख करोड़ रुपए बांटने पड़ रहे हैं। यह राशि राज्यों के कुल बजट की 12 प्रतिशत है। मुफ्तखोरी की रेवड़ियों ने राज्यों और देश की आर्थिक हालत को बुरी तरह प्रभावित किया है। राज्यों पर 2।5 लाख करोड़ से 9 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है।

देश की छवि पर दाग हैं विदेशी महिलाओं से दुष्कर्म!

मनोज कुमार अग्रवाल

यत्र नारी पूज्यन्ते तत्र रमन्ते देवता के उद्घोष वाले देश में इन दिनों दुराचार की वारदातों की बाढ़ है लेकिन इस से भी शर्मनाक स्थिति यह है कि हम बीजा टूर पर आई विदेशी महिलाओं को भी सुरक्षा देने मे नाकाम हो रहे हैं और विदेश से भ्रमण के लिए आइ महिलाओं के साथ भी लूट दुष्कर्म की वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है। एक ओर देश में महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की बाढ़ सी आई हुई है और वासना के भूखे भेड़ियों द्वारा स्थानीय महिलाओं के साथ-साथ भारत में टूरिस्ट वीजा पर घूमने आई तथा अन्य विदेशी महिलाओं के साथ भी बलात्कार किए जा रहे हैं ऐसे हालात में पर्यटन को बढ़ावा देकर राजस्व बढाने की सरकार की नीति को धक्का लगना स्वाभाविक है वहीं इन वारदातों से विश्व मंच पर भारत की छवि को नुकसान पहुंच रहा है ।

आपको कुछ ताज़ा वारदातों की जानकारी देते हैं 2 मार्च, 2024 को दुमका (झारखंड) के हंसडीहा क्षेत्र में अपने पति के साथ भारत घूमने आई स्पेनिश महिला के साथ कुछ लोगों ने उस समय बलात्कार कर डाला जब वे दोनों एक टैंट में ठहरे हुए थे। घटना के बाद महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

14 जून, 2024 को मैक्लोडगंज (धर्मशाला) के भागसूनाग में टूरिस्ट वीजा पर हिमाचल घूमने आई पोलैंड की एक महिला की मदद करने के बहाने उससे बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने एक स्थानीय नागरिक को गिरफ्तार किया। 16 जुलाई, 2024 को गुरुग्राम (हरियाणा) के एक निजी अस्पताल में सर्जरी के लिए दाखिल कजाखिस्तान की महिला से अस्पताल के एक अटैंडैंट ने बलात्कार कर डाला। महिला बेहोशी की हालत में थी, लेकिन उसकी बेटी ने अटैंडैंट को ऐसा करते हुए देख कर शोर मचा दिया। इस पर आरोपी भाग गया परन्तु उसे बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

25 जुलाई, 2024 को बूंदी (राजस्थान) में शादी का झांसा देकर एक विदेशी महिला से बलात्कार करने का मामला सामने आया। पीड़ित महिला ने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया कि मानव सिंह राठौर नामक आरोपी उसे अजमेर और जयपुर के विभिन्न होटलों में 15 दिनों तक रख कर उसके साथ बलात्कार करता रहा। आरोपी उक्त महिला को एक मंदिर में ले गया और उससे शादी करने का ड्रामा किया परंतु आरोपी के घर पहुंचने पर पीड़ित महिला ने देखा कि पहले ही उसके घर पर उसकी पत्नी तथा एक बच्चा मौजूद थे।

24 दिसम्बर, 2024 को आगरा (उत्तर प्रदेश) में रहने वाली कनाडा की एक एन.आर.आई. महिला के साथ बलात्कार का मामला सामने आया। साहिल शर्मा नामक आरोपी ने सोशल नैटवर्किंग ऐप टिंडर के जरिए उक्त महिला से दोस्ती की और स्वयं को एक उच्चाधिकारी बता कर महिला को मिलने के लिए होटल में बुला लिया। यहां आरोपी ने उक्त महिला को ड्रिंक में नशा मिला कर पिलाने के बाद बेहोश करके उससे बलात्कार किया। 8 मार्च, 2025 को हम्पी (कर्नाटक) में झील के किनारे एक 27 वर्षीय इसराईली पर्यटक तथा उसकी साथिन एवं 3 पुरुष मित्रों के साथ 3 गुंडों द्वारा बलात्कार, मारपीट और उन्हें लूट लेने के अलावा उनके एक साथी को झील में धक्का देकर मार डालने का मामला सामने आया।

यह वारदात बेहद गंभीर हैवानियत दरिंदगी बर्बरता की अति है कर्नाटक के कोप्पल जिले के गंगावती तालुक में तीन युवकों के विदेशियों के एक समूह पर हमला करके, एक विदेशी सहित दो महिलाओं के साथ कथित रूप से बलात्कार करने का मामला सामने आया है. पुलिस ने बताया कि तालुक के सनापुरा गांव में हुई इस घटना के संबंध में गंगावती ग्रामीण पुलिस स्टेशन में स्व्रङ्कदर्ज की गई है.पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यह घटना गुरुवार रात तुंगभद्रा के लेफ्ट तट नहर के पास पर्यटन स्थल सनापुरा झील के पास हुई. उन्होंने बताया कि अमेरिकी और इजराइली मूल की दो विदेशी पर्यटक (महिला) और दो घरेलू पर्यटकों पर उस समय हमला किया गया जब वे बैठकर गिटार बजा रहे थे. आरोपियों ने पुरुष पर्यटकों को नहर में भी धकेल दिया. बाद में उनके ग्रुप की दो महिलाओं के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया गया.युवा पर्यटक बिबास लापता

इस घटना में नहर में गिरे ओडिशा के एक युवा पर्यटक बिबास लापता हैं, जबकि अन्य घायल हुए हैं. पुलिस ने अमेरिकी पर्यटक डेनियल और इजराइल की एक महिला, गंगावती तालुक के अनेगोंडी में एक होमस्टे के मालिक, महाराष्ट्र के नासिक के पंकज पटेल और ओडिशा के बिबास हमले का शिकार हुए।

और अब 13 मार्च, 2025 को अपने इंस्टाग्राम मित्र कैलाश से मिलने आई एक ब्रिटिश महिला से दिल्ली के महिपालपुर के एक होटल में छेड़छाड़ तथा बलात्कार करने का मामला सामने आया।

पहले तो होटल की लिफ्ट में एक सफाई कर्मचारी ने उससे छेड़छाड़ की और फिर होटल के कमरे में कैलाश, जिसने शराब पी रखी थी, ने उससे बलात्कार कर डाला। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस तरह की घटनाओं के कारण देश की सारी दुनिया में बदनामी हो रही है।

आपको याद रहे पिछले साल मार्च में एक गैंगरेप की बेहद शर्मनाक वारदात हुई थी। जब स्पेन की महिला पति के साथ वर्ल्ड टूर पर निकलीऔर भारत में उस से गैंगरेप किया गया पति-पत्नी बाइक से 66 देशों में घूमे। 6 साल में 1,70,000 किमी बाइक से ही यात्रा की।अफगानिस्तान, पाकिस्तान जैसे देशों में भी वो बेधड़क रहीं जिन्हें ह्यूमन राइट्स वॉच संस्था ने रिहाइशी इलाकों के नजरिए से सबसे खतरनाक बताया है।

वही कपल भारत में पिछले 6 महीने से रह रहा था, देश में 20,000 किमी की यात्रा भी तय कर चुका था। लेकिन महिला दिवस से ठीक एक हफ्ता से पहले झारखंड के दुमका में इस स्पेनिश महिला के साथ 7 पुरुषों ने गैंगरेप किया।दर्ज केस के मुताबिक विदेशी महिला का आरोप है कि वो पति के साथ कुंजी गांव में टेंट में रुकी थी। 1 मार्च की शाम 2 लोग आए।

उन्होंने अपने 5 और दोस्तों को बुला लिया। हथियार के बल पर इन 7 बदमाशों ने उसे टेंट से बाहर लाकर उसके साथ एक-एक कर रेप किया।

जनवरी, 2024 की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि देश में एक वर्ष में 26 विदेशी महिलाओं से बलात्कार हुए हैं और यह सिलसिला अभी भी जारी है। पर्यटन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में भारत में 1.89 करोड़ विदेशी पर्यटक आए थे जिनसे देश को 2.31 लाख करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा की आय हुई थी। एक ओर भारत सरकार विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं चला रही है तथा दूसरी ओर विदेशी महिलाओं के साथ बलात्कार हो रहे हैं।

इससे निश्चित ही भारतीय पर्यटन को धक्का लगेगा व विदेशी मुद्रा से होने वाली आय तथा पर्यटन से पैदा होने वाला रोजगार भी प्रभावित होगा। अत: इस प्रकार की घटनाओं में संलिप्त होने वालों को तुरन्त और कठोरतम दंड दिया जाना चाहिए ताकि दूसरों को नसीहत मिले और अतिथि देवो भव:की प्राचीन भारतीय परम्परा भी कायम रहे।सरकार को देश मे बढ़ रहे यौन हमलों के खिलाफ एक सख्त एक्शन प्लान तैयार करना चाहिए ताकि भारत को महिलाओं के लिए सुरक्षित देश कहा जा सके।

तीन साल के जश्न से निकली रोजगार की तीन गारंटी

देहरादून। तीन साल का कार्यकाल पूरा होने के मौके पर रविवार को मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने छात्रों-युवाओं, उपनल और संविदा कर्मियों के लिए तीन महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों और स्नातक डिग्री प्राप्त युवाओं को राज्य सरकार आर्थिक सहायता देगी। एक समर्पित मंच के माध्यम से उनके रोजगारपरक कौशल को विकसित करने लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए, सरकार एक उच्चस्तरीय समिति का गठन करेगी। उपनल एवं संविदाकर्मियों को नियमित नियुक्ति के लिए शीघ्र ही एक ठोस नीति तैयार की जाएगी। इसके अलावा, दस करोड़ रूपये तक के सरकारी कार्य प्रदेश के स्थानीय ठेकेदारों को ही दिए जाएंगे।

सेवा, सुशासन और विकास के तीन वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर परेड ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की जोशपूर्ण उपस्थिति रही।

मुख्यमंत्री धामी ने अपने संबोधन में सबसे पहले उत्तराखण्ड के अमर बलिदानियों और सरदार भगत सिंह जी, राजगुरु जी और सुखदेव जी को शहीद दिवस पर भावांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड ने विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए सफलता प्राप्त की है। विभिन्न चुनौतियों के बावजूद इन तीन वर्षों में हमारे प्रदेश ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं और नए-नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिनकी गूंज आज पूरे देश में सुनाई दे रही है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि कुछ लोग जो बोलने में सावधानी नहीं रखते उनके कारण प्रदेश में कभी-कभी क्षेत्रवाद या जातिवाद की बातें सुनाई देती हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड का कोई भी व्यक्ति यदि संकीर्ण क्षेत्रवाद या जातिवाद की बात करता है तो वो न केवल उन आंदोलनकारी के साथ अन्याय करता है, जिन्होंने इस प्रदेश के निर्माण के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया बल्कि वो अपनी मातृ-भूमि के खिलाफ भी कार्य करता है।

तीन वर्ष की उपलब्धियों और प्रमुख निर्णयों को सिलसिलेवार सामने रखा

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सरकार की तीन वर्ष की उपलब्धियों को सिलसिलेवार सामने रखा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले तीन वर्षों से जहां एक ओर शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, खेल, पेयजल और हवाई कनेक्टिविटी सहित सभी प्रमुख क्षेत्रों का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने की दिशा में कार्य किया है, वहीं प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित 30 से अधिक नई नीतियां बनाकर उत्तराखण्ड के सर्वांगीण विकास का एक विस्तृत रोडमैप तैयार कर कई नई योजनाएं लागू की हैं। इसका परिणाम है कि हर क्षेत्र में उत्तराखण्ड की प्रगति साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने अंत्योदय परिवारों को तीन गैस सिलेंडर प्रदान करना, प्रदेश की महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण, राज्य आंदोलनकारियों को दस फीसदी क्षैतिज आरक्षण, वृद्धावस्था पेंशन की सुविधा, सरकारी नौकरियों में खेल कोटे को पुनः प्रारंभ करना, विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करना, 207 प्रकार की पैथोलॉजिकल जांचों की निःशुल्क सुविधाओं का खास तौर पर जिक्र किया।

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2023-24 के सतत् विकास के लक्ष्यों को हासिल करने के इंडेक्स में उत्तराखण्ड को मिले पहले स्थान के साथ ही ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में एचीवर्स तथा स्टार्टअप रैंकिंग में लीडर्स की श्रेणी का जिक्र करते हुए बेरोजगारी दर में रिकार्ड कमी की जानकारी भी दी।

उन्होंने बताया कि प्रदेश की बेरोजगारी दर में रिकॉर्ड 4.4 प्रतिशत की कमी लाकर उत्तराखण्ड ने राष्ट्रीय औसत को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे सतत आर्थिक सुधारों का ही ये परिणाम है कि 2023-24 की तुलना में इस वर्ष राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में 13.59 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। इतना ही नहीं प्रति व्यक्ति आय में हमने 11.33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर राष्ट्रीय औसत को भी पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने जी-20 बैठकों, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और राष्ट्रीय खेलों के आयोजन की भी चर्चा की।

उन्होंने कहा कि देवभूमि से समान नागरिक संहिता की पवित्र गंगा प्रवाहित होने से पूरे देश में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है। उन्होंने अपने संबोधन में नकल विरोधी कानून का जिक्र करते हुए कहा कि इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। दंगा और धर्मांतरण विरोधी कानूनों की भी चर्चा की। भू-कानून के संबंध में उन्होंने कहा कि इससे देवभूमि की इस पुण्य धरा को भू-माफियाओं से बचाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि हमने जनता से जो वायदे किए, उन्हें पूरा किया। अब तक हम 2022 में जारी अपने दृष्टि पत्र के करीब 70 प्रतिशत से अधिक वादों को धरातल पर उतारने में सफल रहे हैं। अन्य वादे भी जल्द पूरे कर लिए जाएंगे।

'सेवा, सुशासन और विकास के 3 वर्ष' पुस्तिका का विमोचन

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सूचना एवं लोक संपर्क विभाग की विकास पुस्तिका 'सेवा, सुशासन और विकास के 3 वर्ष' का विमोचन किया। इसमें सरकार द्वारा 03 साल में जनहित में लिये गये फैसले, योजनाएं और उपलब्धियां शामिल की गई हैं। 'देवभूमि रजत उत्सव- संकल्प से सिद्धि' कलेण्डर का डिजिटल विमोचन और कंटेंट क्रिएटर कंपटीशन का डिजिटल शुभारंभ भी मुख्यमंत्री द्वारा किया गया।

बाल भिक्षावृत्ति निवारणरू शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ने वाले 13 बच्चों का सम्मान

कार्यक्रम के दौरान बाल भिक्षावृति निवारण प्रयास के अन्तर्गत इंटेन्सिव केयर सेंटर साधूराम इण्टर कॉलेज देहरादून में प्रवेशरत शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़े 13 बच्चों को सम्मानित किया गया। लखवाड़ बहुद्देशीय परियोजना के तहत अधिग्रहित की गई भूमि के भू स्वामियों को अनुग्रह अनुदान के रूप में कुल 10 करोड़ की धनराशि वितरित की गई। अटल आवास योजना के तहत लाभार्थियों को मुख्यमंत्री ने चेक और चाबी सौंपी। राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया और सराहनीय कार्य करने वालों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किये। कार्यक्रम के दौरान सरकार के 03 वर्ष पूरे होने पर कलाकारों द्वारा राज्य की संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई। इससे पहले मुख्यमंत्री ने सरकार के 03 वर्ष पूरे होने पर कनक चौक से परेड ग्राउंड तक रोड शो में प्रतिभाग किया और विभिन्न स्टॉल का अवलोकन भी किया।

सभी जिलों में हुए कार्यक्रम

सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने पर देहरादून में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का सभी जनपदों में सजीव प्रसारण किया गया। जनपदों और ब्लॉक स्तर तक अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविरों और शिविरों के माध्यम से सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं से लोगों का लाभान्वित किया गया। प्रभारी मंत्रियों और अन्य जनप्रतिनिधियों ने बतौर मुख्य अतिथि जनपद स्तरीय कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया ।

दो करोड़ प्रवासी बिहारी बदलेंगे, बिहार का भाग्य : देवेश कुमार

छठ पूजा पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करें, उत्तराखंड सरकार : राजेश शुक्ला
बिहार दिवस पर स्नेह मिलन समारोह में उठी, रानी गंगा एक्सप्रेस का दैनिक संचालन एवं दरभंगा , सहरसा तक विस्तार की मांग

हरिद्वार । बिहार विधानसभा परिषद के सदस्य एवं मिजोरम प्रभारी देवेश कुमार सिंह ने कहा बिहार से बाहर रहने दो करोड़ बिहारी समाज के लोग आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार रहें। जिन लोगों का वोट है वो मतदान करें और जिनका वोट नहीं है वो अपने सगे संबंधियों को भाजपा के पक्ष में मतदान के लिए प्रेरित करें। ऐसा होने पर हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली की भांति बिहार में भी एनडीए का परचम लहरायेगा ।गौरतलब है कि बिहार राज्य स्थापना दिवस, बिहार दिवस के उपलक्ष्य में एक भारत-श्रेष्ठ भारत के तहत स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन रविवार को शिवालिक नगर स्थित सामुदायिक केंद्र फेस-2 में किया गया। मंच से छठ पूजा पर सार्वजनिक अवकाश की मांग के साथ रानी गंगा एक्सप्रेस का दैनिक संचालन और दरभंगा सहरसा तक विस्तार की मांग की गई। स्नेह मिलन समारोह के मुख्य अतिथि एमएलसी देवेश कुमार ने कहा कि 14 करोड़ की आबादी वाले बिहार राज्य से करीब दो करोड़ निवासी बिहार से बाहर रह रहे हैं, यह पलायन रुकना चाहिए ।उन्होंने बताया कि आगामी चुनाव के मद्देनजर भाजपा द्वारा देश के विभिन्न राज्यों में बिहार दिवस पर मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। ताकि बिहार के लोग अपनी जड़ों से जुड़ सके। उन्होंने कहा कि आगामी नवंबर में बिहार विधानसभा चुनाव होने वाला है, यह चुनाव बिहार के लिए निर्णायक साबित होगा। इससे बिहार की दशा और दिशा तय होगी। उन्होंने बिहार मूल के निवासियों से भाजपा के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, दिल्ली और हरियाणा में भाजपा बहुमत से जीत दर्ज की है। अब बिहार में भी आगामी विधानसभा चुनाव में बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि लालटेन राज में बिहार अपहरण का उद्योग बन गया था, भय के माहौल के कारण लोगों ने बड़ी संख्या में पलायन किया। 2005 में एनडीए की सरकार बनने के बाद बिहार में बड़ा बदलाव हुआ और विकास के कार्य हुए। प्रदेश में अच्छी सड़कें बनी और 24 घंटे बिजली रहने लगी। वहीं कानून व्यवस्था भी पहले से बेहतर हुआ है। कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक व किच्छा के पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने बताया कि बिहार के लोगों को अपने मूल से जोड़ने को लेकर भाजपा द्वारा देश के 75 स्थानों पर बिहार दिवस के अवसर पर मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि बिहार को अग्रणी राज्य बनाया जाए। उन्होंने कहा कि पीएम ने बिहार के विकास के लिए तीस लाख का पैकेज भी दिया है। उन्होंने कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट देकर बिहार को आगे बढ़ाने का अवसर है। रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने बिहार चुनाव को महत्वपूर्ण बताते हुए सभी से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। वहीं उन्होंने उत्तराखंड के धामी सरकार के तीन साल पूरे होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तराखंड में धामी सरकार का बीते तीन साल का कार्यकाल बेमिसाल रहा है। इस दौरान प्रदेश में कई अच्छे कार्य हुए हैं, भाजपा की सरकार जनहित में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवादी सोच के लोग भाजपा के साथ हैं। बिहार में भी आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को मजबूत कर प्रगति को गति देंगे। कार्यक्रम संयोजिका रंजीता झा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि भारतीय जनता युवा मोर्चा बिहार प्रदेश प्रभारी दुर्गेश कुमार, प्रदेश सह संयोजक कमलेश सिंह और डॉ जयपाल सिंह चौहान, शिवालिक नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा, मंडल अध्यक्ष कैलाश भंडारी, पार्षद सुनील पांडेय, पूर्वांचल उत्थान संस्था के अध्यक्ष सीए आशुतोष पाण्डेय महासचिव, बीएन राय, कमलेश्वर मिश्रा, रूपलाल यादव, दिलीप कुमार झा, ललिता मिश्रा, संतोष झा, रश्मि झा, ज्योति झा, श्वेता मिश्रा, मनोज शुक्ला, तरूण शुक्ला, हरिनारायण त्रिपाठी, सुधा राठोर, यतीश राठोर, अमृत रंजन , अमित साही, संतोष कुमार, शिबेश्वर पांडेय , केशव पांडेय, धर्मेंद्र साह सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

यूक्रेन पर डोनाल्ड ट्रंप का तेवर

अवधेश कुमार

यूक्रेन मोर्चे पर अंतिम समाचार यह है कि ब्रिटेन फ्रांस और यूक्रेन ने मिलकर एक युद्धविराम योजना बनाई है जिसे अमेरिका के सामने प्रस्तुत किया जाएगा।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की बात मानें तो इस पर लगभग सहमति बन गई है। युद्ध समाप्त करने पर चर्चा के लिए यूरोपीय नेताओं के साथ 2 मार्च को शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था। इस शिखर सम्मेलन में फ्रांस, जर्मनी, डेनमार्क, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, पोलैंड, स्पेन, कनाडा, फिनलैंड, स्वीडन, चेक गणराज और रोमानिया के नेता के अलावा तुर्किये के विदेश मंत्री, नाटो महासचिव तथा यूरोपीय आयोग और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष ने भाग लिया। विश्व की दृष्टि से यह यूरोप का संपूर्ण सशक्त शिखर सम्मेलन था। विश्व ने देखा कि किस तरह यूरोपीय नेताओं ने वोलिदिमीर जेलेंस्की की आवभगत की तथा उन्हें महत्त्व दिया। ओवल ऑफिस यानी अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय से निकलने के बाद जेलेंस्की सीधे ब्रिटेन आए और प्रधानमंत्री स्टार्मर ने उन्हें गले लगाया और कहा कि उन्हें उनके देश का अटूट समर्थन प्राप्त है तो इसके पीछे तत्काल ट्रंप एवं दुनिया को एक संदेश देने की रणनीति है। वास्तव में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस ढंग से यूक्रेन पर अपने तेवर दिखाए और पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रो के साथ उनकी बहस हुई तथा जेलेंस्की को व्हाइट हाउस से बाहर किया गया वह दुनिया में सबसे बड़ी हलचल मचाने वाली घटना बन गई। अमेरिकी इतिहास की यह पहली घटना थी जब व्हाइट हाउस में दो नेताओं के बीच इस तरह बहस हुई, दोनों उंगली उठाते दिखे तथा किसी विदेशी मेहमान को वहां से बाहर निकालना पड़ा। प्रश्न है कि अभी आगे होगा क्या? ऐसा दिख रहा है कि यूरोप के ज्यादातर नेता इस समय जेलेंस्की के साथ है। हालांकि

कर चलते हैं कि वह यही चाहते हैं। इसमें दो मत नहीं कि कोई समझौता स्थाई शांति की गारंटी होनी चाहिए। इसलिए स्टार्मर अगर कह रहे हैं कि हम अस्थाई युद्ध विराम का जोखिम नहीं ले सकते तो सामान्य तौर पर इसे असहमत होना कठिन है। एक बड़े समूह को ट्रंप का व्यवहार अटपटा और एकपक्षीय लग सकता है। धीरे-धीरे विश्व में ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है जो मानते हैं कि उनका व्यवहार गलत नहीं है। एक समय यूक्रेन के प्रति विश्व की सहानुभूति थी और यह सच है कि अमेरिका और यूरोप की मदद के कारण पुतिन की युद्ध योजना पर तुषारापात हुआ। यूक्रेन जैसे छोटे देश को घुटनों पर लाना उनके लिए कठिन हो गया। किंतु पूरे काला सागर सहित क्रीमिया के क्षेत्र को देखें तो वहां लंबे समय से यूरोप की भूमिका के कारण ही स्थिति इतनी जटिल है कि उनका स्थाई निपटारा संभव नहीं। सोवियत संघ जिन राज्यों को मिलकर बना उनमें ज्यादातर आज स्वतंत्र हैं, पर उनकी भौगोलिक सीमाएं खासकर समुद्र में और आसपास इतनी स्पष्ट नहीं है। न भूलिए कि प्रथम और द्वितीय युद्ध विश्व युद्ध के पीछे उसे क्षेत्र की भौगोलिक जटिलताएं और राजनीतिक व्यवहार की बड़ी भूमिका थी। द्वितीय विश्व वर्तमान यूरोपीय नेता अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में उथल-पुथल के परिणाम से आशंकित हैं और वे संतुलित आचरण की कोशिश कर रहे हैं। ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर ने सधे हुए वक्तव्य में कहा कि अब हम इस बात पर सहमत हो गए हैं कि ब्रिटेन, फ्रांस और संभवतः एक या दो अन्य देशों के साथ मिलकर यूक्रेन के साथ लड़ाई रोकने की योजना पर काम किया जाएगा और फिर उस पर अमेरिका के साथ चर्चा करेंगे। स्टार्मर ने कहा कि उन्हें पुतिन पर विश्वास नहीं है, लेकिन ट्रंप पर विश्वास है और वह जब कहते हैं कि उन्हें शांति चाहिए तो हम मान युद्ध समाप्त होने के बावजूद अमेरिका के समक्ष सोवियत संघ के दूसरी महाशक्ति के रूप में खड़ा होने के कारण थोड़ा संतुलन रहा तथा यूरोप के प्रमुख देशों ने आपस में भौगोलिक जटिलताएं खत्म कीं, राजनीतिक महत्त्वाकांक्षाओं पर लगाम लगाई। बावजूद न संपूर्ण यूरोप के लिए और न विश्व के लिए अस्थाई सुरक्षा और शांति सुनिश्चित हुई।

सोवियत संघ के विघटन के बाद अमेरिकी नेतृत्व वाले नाटो और उसकी सेना कायम रही। अगर अमेरिका और यूरोपीय देश यूक्रेन को नाटो का सदस्य बनाने की ओर कदम आगे नहीं बढ़ाते तथा उसे हथियार नहीं देते तो पुतिन के लिए इस तरह आक्रमण करने का आधार नहीं बनता। शेष विषयों को छोड़ दें तो जेलेंस्की यह घोषणा कर देते कि वह नाटो का सदस्य नहीं बनेंगे तो भी शायद स्थिति इतनी बिगड़ती नहीं। सच यह है कि यूक्रेन-रूस युद्ध वियुद्ध की पृष्ठभूमि तैयार कर चुका है। कई बार आपको शांति के लिए दबाव और अन्य बाध्यकारी दबावकारी कड़े भी कदम उठाने पड़ते हैं। ऐसा लग रहा है कि रूस यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए ही ट्रंप ने इस स्तर कड़ा रु ख अपनाया है। जेलेंस्की को भी अमेरिका के महत्त्व का पता है और उन्होंने कहा है कि वह खनिज पर समझौते के लिए फिर से व्हाइट हाउस जाने को तैयार हैं, लेकिन उन्हें सुरक्षा की गारंटी चाहिए। जेलेंस्की विश्व इतिहास को ठीक से देखें। कोई देश किसी की सुरक्षा की स्थाई गारंटी नहीं दे सकता। इस समय उन्हें गारंटी दी जा सकती है। बस, वे स्वयं को भी बड़ी सैन्य शक्ति बनने या ऐसी अन्य महत्त्वाकांक्षाओं से अलग रखें। यूरोपीय देशों को भी समझना होगा कि पहले की तरह यूक्रेन की सैन्य और कूटनीतिक मदद जारी रखकर वे कुछ समय तक आर्थिक लाभ पा सकते हैं, रूस और यूक्रेन भी दबाव में रह सकता है, लेकिन यह विश्व को बड़े संकट में फंसाने वाला भी साबित होगा।

यूरोपीय देशों में तत्काल सबसे ज्यादा सक्रिय ब्रिटेन और फ्रांस को भी अपनी शक्ति की सीमाओं का आभास होगा। अमेरिका के साथ यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था इतनी आबद्ध है कि वह इससे बिल्कुल अलग हटकर एकाएक नई सशक्त सुरक्षा प्रणाली उत्पन्न नहीं कर सकते। ब्रिटेन का तो नाभिकीय ढांचां तक अमेरिका के साथ अविच्छिन्न जुड़ाव है। उनको पूरी तरह अलग कर अमेरिका के विरु द्ध जाना इस समय असंभव लगता है। इसलिए उनके अंदर भी नये सिरे से मंथन चल रहा है। ट्रंप अड़े रहते हैं तो भविष्य में एक सहमतिकारक समझौता संभव है। कम से कम तत्काल विश्व के हित में होगा और आगे इस पर शांति की कोशिश हो सकती है।

विकसित भारत' के संकल्प को साकार करेंगी महिलाएं

अन्नपूर्णा देवी

आदिकाल से ही भारत में महिलाओं का समाज में प्रमुख स्थान रहा है। हम 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:' का देश हैं। अर्थात 'जहां स्त्रियों का सम्मान होता है वहां देवता निवास करते हैं और जहां स्त्रियों का सम्मान नहीं होता है वहां किये गये समस्त अच्छे कर्म भी निष्फल हो जाते हैं- यह भाव, विचार और विश्वास भारतीय मानस में बसा हुआ है। 'शतपथ ब्राह्मण' में उल्लेख मिलता है कि श्रीराम के गुरु वशिष्ठ के गुरुकुल में संगीत और पर्यावरण- संरक्षण का शिक्षण उनकी महान विदुषी पत्नी अरुन्धति ही देती थीं। ऋग्वेद में भी गार्गी, मैत्रेयी, घोषा, अपाला, लोपामुद्रा, रोमशां जैसी अनेक वेद मंत्रद्रष्टा ऋषिकाओं का उल्लेख मिलता है। जिनके ब्रह्मज्ञान से समूचा ऋषि समाज उल्लसित था, परन्तु दुख का विषय है कि स्त्री-शिक्षा की इतनी गौरवपूर्ण व स्वर्णिम परिपाटी, परवर्ती काल में खासतौर से मध्ययुग में आक्रांताओं के शासनकाल और उसके बाद फिरंगियों की गुलामी के दौरान छिन्न-भिन्न होती चली गयी। आजादी के संघर्ष के दौरान और आजादी के बाद महिलाओं का समाज में कुछ सम्मान बढ़ा, लेकिन उनके प्रगति की गति दशकों तक धीमी रही। गरीबी और निरक्षरता महिलाओं के सशक्तिकरण में गंभीर बाधा रही हैं।

महिला दिवस का उद्देश्य आर्थिक और राजनैतिक समानता को प्रोत्साहित करना है

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उद्देश्य महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक समानता दिलवाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस दिवस का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। महिलाओं और पुरुषों के बीच समाज में जड़ें जमा चुकी असमानताओं को मिटाकर समानता लाने के उद्देश्य से महिला दिवस मनाया जाता है।

23 दिसंबर 1936 को महात्मा गांधी पर क्या कहा था

भारतीय स्वाधीनता संग्राम के नायक महात्मा गांधी ने 23 दिसंबर 1936 को अखिल भारतीय महिला सम्मेलन के अपने भाषण में कहा था- जब महिला, जिसे हम अबला कहते हैं, सबला बन जाएगी , तो वे सभी जो असहाय हैं, शक्तिशाली बन जाएंगे। इसी क्रम में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर भी सशक्त भारत के निर्माण में महिलाओं के महत्त्व को रेखांकित करते हुए लिखते हैं सामाजिक न्याय के लिए महिला सशक्तिकरण का होना जरूरी है तभी समाज में महिला का उत्थान हो सकता है। महिलाओं के उत्थान से ही स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के लोकतांत्रिक विचारों के साथ समाज का पुन: निर्माण संभव है।

महिलाओं पर क्या लिखा था रचनाकार मुंशी प्रेमचंद ने

जब 1920 के आसपास दुनिया भर में महिलाएं अपने समान नागरिक अधिकारों के लिए आंदोलन कर रही थीं तब हिंदी के ख्याति प्राप्त रचनाकार मुंशी प्रेमचंद लिख रहे थे कि 'यदि पुरूष में स्त्री के गुण आ जायें तो वह देवता हो जाता है'। रानी अहिल्याबाई होलकर से लेकर झांसी की रानी लक्ष्मीबाई तक, रानी गाइदिन्ल्यू से लेकर सावित्रीबाई फुले तक महिलाओं ने समाज में बदलाव के बड़े उदाहरण स्थापित किए हैं। वर्तमान भारत इन महान महिलाओं के प्रेरणादायी जीवन से तत्व ग्रहण कर अग्रसर हो रहा है।

महिला सशक्तिकरण के लिए शुरू की गयी योजनाओं का असर दिखना शुरू

इस बार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम 'कार्रवाई में तेज़ी लाना' है। इस थीम का संदेश है कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए ठोस और तेजी से कदम उठाने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार ने विभिन्न नीतियों और योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के उत्थान और सशक्तिकरण के लिए अनेक ठोस कदम उठाए हैं। यह नीतियां महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वतंत्रता, सुरक्षा और राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाई गई हैं। पिछले दस वर्षों में महिला सशक्तिकरण के लिए मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं का जमीन पर लाभ दिखना शुरू हो गया है। गरीब परिवारों की महिलाओं को मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन प्रदान करना हो, स्वास्थ्य और सुविधा में सुधार हेतु 'उज्ज्वला योजना' हो या बालिकाओं की शिक्षा और भविष्य की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'सुकन्या समृद्धि योजना' हो, महिलाओं-बेटियों का हित भारत सरकार की प्राथमिकता हैं। मातृत्व लाभ अधिनियम में संशोधन कर महिला कर्मियों को मिलने वाले मातृत्व अवकाश की अवधि 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दी गई है। उधर मोदी सरकार द्वारा छोटे व्यवसायियों की मदद के लिए शुरू की गई मुद्रालोन योजना में महिलाओं की भागीदारी 69 प्रतिशत है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में 3 करोड़ महिलाओं को लखपति बनाने का लक्ष्य

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है।

उद्यान विभाग द्वारा संचालित योजनाओं/विभिन्न औद्यानिक गतिविधियों हेतु कृषकों/ उद्यानपतियों को प्रदान की जाने वाली राज सहायता का विवरण।

क्र0स0	घटक का नाम	मद	राजसहायता का विवरण	अधिकतम सीमा प्रति लाभार्थी
	केन्द्रीय योजनायें			
1	नये उद्यानो की स्थापना			
अ	फल क्षेत्रफल विस्तार (सामान्य)	इन्टीग्रेटिड (ड्रिप सहित)	50000.00 प्रति है0	4 हैक्टेयर
ब	सब्जी क्षेत्रफल विस्तार	संकर प्रजाति की सब्जियों की खेती	50प्रतिशत अर्थात 25000.00 प्र0है0	2 हैक्टेयर
स	मशाला क्षेत्र विस्तार	बीज एवं कन्द वाली मशाला की खेती	50प्रतिशत अर्थात 15000.00 प्र0है0	4 हैक्टेयर
द	पुष्प क्षेत्र विस्तार	डडीयुक्त	रू0 50000.00 प्रति है0	2 हैक्टेयर
य	मशरूम उत्पाद	मशरूम उत्पादन यूनिट	रू0 20.00 लाख प्रति ईकाई लागत पर	अधिकतम 8.00 लाख रूपये
2	जल प्रबन्धन व्यवस्था	नई ट्यूबवैल की स्थापना	50प्रतिशत या रू0 20000.00 प्रति ईकाई लागत	1 नग
1	औद्यानिक यन्त्रीकरण	टैक्टर 20 (पी0टी0ओ0 एच0पी0तक)	रू0 3.00 लाख प्र0इकाई का 35 प्रतिशत अनु0 जा0, अनु0ज0जा0, लघु/सीमान्त लाभार्थियों हेतु।	1 इकाई
3	राज्य सैक्टर			
अ	वर्मीकम्पोस्ट यूनिट का निर्माण	वर्मीकम्पोस्ट यूनिट की स्थापना	रू0 33.300 प्रति ईकाई की लागत का 50 प्रतिशत	1 ईकाई रू0 24997.00
	पालीहाउस के पॉलीथिन बदलाव योजना	पुराने पालीहाउसों की जीर्णशिण पॉलीथिन बदलने हेतु	रू0 50 प्रतिवर्ग मीटर का 50 प्रतिशत	4000 वर्ग मीटर
	निःशुल्क फलपौध वितरण			निःशुल्क
	जिला सेक्टर			
अ	9113– उन्नत किस्म की रोपण सामग्री का उत्पादन/पौधालय विकास	1– कीटव्याधि की रोकथाम	60 प्रतिशत	5000.00 प्रति हैक्टेयर
		2– प्लास्टिक क्रेटस वितरण	50 प्रतिशत	आवश्यकता अनुसार

मुख्य उद्यान अधिकारी,
हरिद्वार

मोल्डा गांव में ध्याणियों ने भद्रकाली को चढाया सोने का छत्र

ध्याणी मिलन समारोह में भद्रकाली की डोली के साथ लगा रासो, तांदी नृत्य

चिरंजीव सेमवाल

उत्तरकाशी । रवांई घाटी के मोल्डा गांव में दो दिवसीय ध्याणी मिलन समारोह माँ भद्रकाली की पालकी के साथ ढ़ोल, दमाऊ की थाप पर पारम्परिक रासो–तांदी नृत्य का आयोजन हुआ। इस दौरान सभी ध्याणियों ने सामूहिक रूप से अपने आराध्य माता रानी भद्रकाली को स्वर्ण छत्र भेंट कर अपने मायके और ससुरालपक्ष की सुख, शांति और समृद्धि के लिए मन्नतें मांगी।

शनिवार को मां भद्रकाली मंदिर परिसर मोल्डा गांव में आयोजित दो दिवसीय ध्याणी मिलन समारोह सभी को सम्मानित किया गया। इससे पूर्व रात्रि को ग्रामवासियों द्वारा भजन व जागरण संध्या का आयोजन किया । ध्याणी मिलन व सम्मान समारोह में पहले दिन बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे जिला पंचायत अध्यक्ष /प्रशासक दीपक बिजल्वाण,

इस भव्य आयोजन के लिए ग्राम सभा मोल्डा की समस्त ध्याणियों, ग्रामवासियों एवं युवा साथियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैं माँ भद्रकाली से समस्त ध्याणियों, ग्रामवासियों एवं समस्त क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि एवं उन्नति की कामना करता हूँ।

रविवार देर शाम को ध्याणीयों व ग्रामीणों के द्वारा माँ भद्रकाली की पालकी के साथ ढ़ोल, दमाऊ की थाप व रणसिंघो की गूंज के साथ पारम्परिक रासो–तांदी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति के बाद सम्पन्न हो गया। विकास खंड नौगांव के ग्राम सभा मोल्डा में दो दिवसीय ध्याणी मिलन व सम्मान समारोह का समापन रविवार को ध्याणियों को स्मृति चिन्ह वितरण व विशाल भंडारे के साथ समापन हो गया। रवाई की लोक संस्कृति के अनुसार ग्राम वासियों ने ध्याणी मिलन व समान समारोह का आयोजन किया। गाँव से अन्य सुदूर गावों व क्षेत्रों में ब्याही गई ध्याणियों का ग्राम वासियों ने परम्परागत ढंग से स्वागत सत्कार किया।

इससे पूर्व मूल थान के मंदिर प्रांगण में ज्येष्ठ पुजारी द्वारा विधि विधान के साथ माँ भद्रकाली की पूजा अर्चना की गई। तथा ग्राम पुरोहित महिमा नंद तिवारी द्वारा समस्त ध्याणियों को टीका चंदन लगाकर शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के दुसरे दिन क्षेत्रीय विधायक ध्याणि मिलन समारोह में पहुंचे और सभी को बधाई दी।

इस अवसर पर, विनोद जैतवान , पुजारी कुलानंद बहुगुणा, बुद्धिराम बहुगुणा,महेश्वर प्रसाद, देवता के माली देवप्रसाद बहुगुणा, बुद्धिराम, चन्द्रमोहन, व महिमा नंद तिवारी, सुमन राणा, सचिदानंद, विनोद, शांति प्रसाद, बलदेव सिंह, भगवान सिंह,रामप्रसाद, भगतराम, सुरेन्द्र दत्त,विशाल मणी, पूर्ण सिंह, जबर सिंह, पूर्णा नंद, लाखी सिंह, सरत सिंह, त्रेपन सिंह, रामप्रकाश, रचपाल सिंह, प्रमोद बहुगुणा, भूपेंद्र सिंह, कृष्णा नंद, सूर्य प्रकाश, किशन सिंह, देवदास, यशोब कुमार, रमेश दास,प्यारदास, श्याम लाल, चंखु, श्रीमती मीना सेमवाल, उर्मिला, अनीता, अम्बिका, गायत्री, सुनीता, जयमाला, निर्मला सहित सैकड़ों ध्याणी व ग्रामीण उपस्थित रहे।

उत्तराखण्ड शासन

देवभूमि रजत उत्सव

3 सेवा, सुशासन एवं विकास के साल

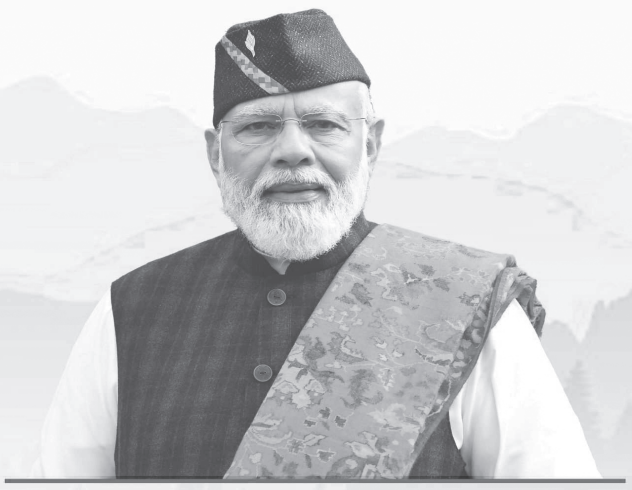

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं । पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास । आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है । ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

"माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है । हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरुप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं ।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

संकल्प नये उत्तराखण्ड का

विकसित भारत - सशक्त उत्तराखण्ड

► पर्यटन

उत्तराखण्ड के जखोल, सूपी, हर्षिल और गुंजी गांवों को भारत सरकार द्वारा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम के रूप में पुरस्कृत किया गया।

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के अन्तर्गत सीमांत के 51 गांवों का चयन कर किया जा रहा सुनियोजित विकास।

कुशल प्रबंधन से चारधाम यात्रा पर रिकॉर्ड संख्या में आए श्रद्धालु।

राज्य में पहली बार शीतकालीन यात्रा का हुआ शुभारंभ।

मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के अन्तर्गत 48 मन्दिरों तथा अन्य धार्मिक स्थलों को सर्किट के रुप में जोड़ने का कार्य गतिमान।

महासू मन्दिर, हनोल के मास्टर प्लान को दी गई मंजूरी।

► कनेक्टिविटी

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से दिल्ली और देहरादून के बीच यात्रा केवल 2.5 घंटे में पूरी होगी।

गौरीकुण्ड से केदारनाथ एवं गोविन्दघाट से हेमकुण्ड साहिब तक रोपवे निर्माण कार्य को मिली केंद्र सरकार से स्वीकृति। पूर्णागिरी मंदिर रोपवे, काठगोदाम से हनुमानगढ़ी के बीच रोपवे के निर्माण कार्य हेतु प्रक्रिया शुरु।

उड़ान योजना के तहत शुरु की गई देहरादून पिथौरागढ़ उड़ान सेवा ने दोनों शहरों के बीच यात्रा की अवधि को सड़क मार्ग से 12-15 घंटे से घटाकर केवल 60 मिनट कर दिया है।

ऋषिकेश - कर्णप्रयाग रेलवे परियोजना गांवों को शहरो से जोड़ने के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी।

₹10,000 करोड़ की भारतमाला परियोजना को सीमा क्षेत्रों में सड़क विकास के लिए स्वीकृत किया गया।

2030 तक उत्तराखण्ड के सभी गांव सड़क से जुड़ेंगे।

► युवा-शिक्षा, रोजगार, सौर स्वरोजगार

मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजनाः ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर, सोलर प्लांट स्थापित करने पर 50% तक सब्सिडी

पिछले 3 वर्षों में लगभग 20 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी।

मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना की हुई शुरुआत।

राज्य में पिछले एक वर्ष में बेरोजगारी दर में 4 प्रतिशत की कमी।

► उद्योग एवं निवेश

एमएसएमई नीतिः नए औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहन

ऊधमसिंह नगर के खुरपिया फॉर्म में भारत सरकार द्वारा स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाउनशिप स्वीकृत।

इन्वेस्टर्स समिट में 3.5 लाख करोड़ के एमओयू, 30 निवेश अनुकूल नई नीतियां, लगभग 85 हजार करोड़ की ग्राउंडिंग पर कार्य गतिमान।

► महिला सशक्तिकरण

हाउस ऑफ हिमालयाज, उत्तराखण्ड महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार जैविक और प्राकृतिक उत्पादों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध

राज्य की महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30% क्षैतिज आरक्षण

लखपति दीदी योजनाः महिला स्वयं सहायता समूहों को `5लाख तक का ब्याज मुक्त ऋण

को-ऑपरेटिव बैंकों और सहकारी समितियों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण

मुख्यमंत्री अंत्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना के तहत राज्य के करीब पौने दो लाख गरीब परिवारों को साल में 3 सिलेंडर मुफ्त रिफिल।

► बड़े निर्णय-बड़े प्रभाव

समान नागरिक संहिता, सशक्त भू-कानून, राज्य की महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30% क्षैतिज आरक्षण, राज्य आंदोलनकारियों के लिए सरकारी नौकरियों में 10% क्षैतिज आरक्षण, सख्त धर्मान्तरण विरोधी कानून, सख्त नकल विरोधी कानून, दंगों में सम्पत्तियों की सुरक्षा के लिए कड़ा कानून

► बड़े आयोजन

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, 2023: उत्तराखण्ड को लक्ष्य से अधिक 3.50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

इन्वेस्टर्स समिट में 3.5 लाख करोड़ के एमओयू, 30 निवेश अनुकूल नई नीतियां, लगभग 85 हजार करोड़ की ग्राउंडिंग पर कार्य गतिमान।

जी-20 सम्मेलन की बैठकें: जी-20 सम्मेलन के अंतर्गत आयोजित इंफ्रास्ट्रक्चर वर्किंग ग्रुप की बैठकों का उत्तराखण्ड में सफल आयोजन ।

38वें राष्ट्रीय खेल: देवभूमि को रजत जंयती वर्ष के अवसर पर 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी का अवसर एवं सफल आयोजन।

अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी उत्तराखण्डी सम्मेलन: विभिन्न देशों में रहते हुए व्यापार व अन्य क्षेत्रों में नाम कमाने वाले प्रवासी उत्तराखण्डियों को अपने साथ जोड़ने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी सम्मेलन का आयोजन।

विश्व आयुर्वेद कांग्रेस एवं अंतर्राष्ट्रीय एक्सपो: दिसंबर 2024, देहरादून में आयोजित इस कार्यक्रम में 60 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

नीति आयोग द्वारा सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) रैंकिंग में उत्तराखण्ड देश में प्रथम स्थान पर

- समान नागरिक संहिता: सबका साथ सबका विकास
- सख्त धर्मान्तरण विरोधी कानून: जबरन धर्मान्तरण पर रोक
- रेल, रोड, रोपवे और एयर कनेक्टिविटी का विस्तार

#ExploreUttarakhand
@DIPR_UK

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

उत्तराखण्ड शासन

प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में

उत्तराखण्ड

विकास के नये अध्याय

की ओर अग्रसर

संकल्प से सिद्धि, प्रगति संग समृद्धि

25

" माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है । हम प्रधानमंत्री जी के विज़न के अनुरूप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं । "

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

देवभूमि रजत उत्सव

9 नवंबर 2024-25 | उत्तराखण्ड

" 21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं । पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास । आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है । ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा। "

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

विकसित भारत, सशक्त उत्तराखण्ड

निरन्तर प्रगति पथ पर देवभूमि उत्तराखण्ड

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर समिट - 2023 के दौरान राज्य सरकार के साथ कुल 3.5 लाख करोड़ रुपये के हुए निवेश समझौते। जिसमें 81 हजार करोड़ के समझौते की ग्राउण्डिंग।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में श्री केदारनाथ धाम का हुआ भव्य एवं दिव्य पुनर्निर्माण कार्य। बद्रीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत विकास कार्य गतिमान।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आदि कैलाश और जागेश्वर धाम के दर्शन के बाद मानसखंड यात्रा को मिली नई पहचान।
- चार धामों की कनेक्टिविटी के लिए ऑल वेदर रोड का हुआ निर्माण। ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेललाइन का निर्माण कार्य तथा टनकपुर-बागेश्वर रेललाइन सर्वे का कार्य गतिमान।
- नैनीताल ज़िले की बहुद्देशीय जमरानी बांध परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत मिली मंज़ूरी।
- उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम की लखवाड़ परियोजना को मिली मंज़ूरी।
- उत्तराखण्ड को दो वंदे भारत ट्रेन की मिली सौगात। देहरादून से दिल्ली एवं देहरादून से लखनऊ का सफ़र हुआ आसान।
- दिल्ली - देहरादून के बीच एलिवेटेड रोड के निर्माण कार्य तेज़ी से जारी, 2 से 2.5 घंटे में सफर होगा पूरा।
- पर्वतीय क्षेत्रों में रोपवे नेटवर्क निर्माण के लिये पर्वत माला परियोजना को मिली मंज़ूरी। केदारनाथ, हेमकुंड साहिब एवं पूर्णागिरी मंदिर तक रोपवे के निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास।
- उधमसिंहनगर के किच्छा क्षेत्र में एम्स के सैटेलाइट सेंटर का निर्माण कार्य गतिमान। वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत उत्तराखण्ड के सीमांत गावों का हो रहा चहुँमुखी विकास।
- जौलीग्रांट एयरपोर्ट एवं पंतनगर एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने हेतु कार्य गतिमान।
- प्रधानमंत्री ने दिया वेड - इन - उत्तराखण्ड का मंत्र। जिसके तहत राज्य सरकार नए वेडिंग डेस्टीनेशन का कर रही निर्माण।

नीति आयोग भारत सरकार की ओर से एसडीजी 2023-24 की रिपोर्ट जारी की गई है।

रिपोर्ट में उत्तराखण्ड ने सतत विकास लक्ष्यों की कसौटी पर खरा उतरते हुए पूरे देश में पहला स्थान हासिल किया है।

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी।

www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

हरिद्वार अर्ध कुंभ 2027, उत्तराखंड डीजीपी ने की बैठक

कुंभ मेला के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने के डीजीपी ने दिए निर्देश

देहरादून। पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ द्वारा सरदार पटेल भवन स्थित सभागार में कुम्भ मेला 2027 की तैयारियों को लेकर पुलिस अधिकारियों के साथ एक बैठक कर पुलिस व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान पुलिस महानिदेशक महोदय ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कुंभ मेला के लिए ठोस कार्ययोजना बनाकर उसकी निरंतर समीक्षा करें, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित अनुभव प्राप्त हो। बैठक के दौरान दीपम सेठ, पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड ने कहा ष्उत्तराखण्ड पुलिस कुंभ मेला के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हम आधुनिक तकनीक और बेहतर प्रबंधन के माध्यम से कुम्भ मेला 2027 को सुगम और सुरक्षित बनाएंगे। पुलिस बल पूरी तत्परता और संवेदनशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करेगा।

कुंभ मेला 2027 की तैयारियों को लेकर रणनीतिः वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, हरिद्वार ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से पूर्व में सम्पन्न कुंभ मेलों के दौरान पुलिस व्यवस्था, निर्माण कार्य और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं को प्रदर्शित किया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक महोदय ने वर्ष 2027 में आयोजित होने वाले कुंभ मेले की तैयारियों पर विशेष चर्चा की और स्पष्ट निर्देश दिए कि इसमें सम्मिलित सभी विभाग एवं शाखाएं अभी से स्थलीय निरीक्षण कर अपने-अपने विस्तृत कार्ययोजनाएं तैयार करें। यातायात शाखा को संपूर्ण यातायात प्लान, संचार विभाग को कम्युनिकेशन प्लान, फायर सर्विस को अग्नि सुरक्षा प्लान, प्रशिक्षण विभाग को कुंभ से संबंधित प्रशिक्षण योजना, कार्मिक विभाग को जनशक्ति प्रबंधन प्लान तथा मॉर्डनाइजेशन विभाग को निर्माण कार्य की विस्तृत योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, एसडीआरएफ, बम डिस्पोजल टीम और जल पुलिस को भी अपनी तैयारियों का आंकलन कर विस्तृत योजना बनाने के निर्देश दिए गए, ताकि कुंभ मेला 2027 को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सफल बनाया जा सके। कुम्भ मेले हेतु अन्य विस्तृत प्लानों के साथ रेलवे का भी सुगम व सरल प्लान समय से तैयार कर लें। कुंभ मेला 2027 एक वृहद और भव्य आयोजन है, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसके दृष्टिगत सम्पूर्ण मेला क्षेत्र की निगरानी सुनिश्चित करने हेतु सुरक्षा योजना तैयार करते हुए सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाने व ड्रोन और आधुनिक निगरानी उपकरणों का उपयोग करने के भी निर्देश दिए।

सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के लिए अतिरिक्त केंद्रीय सुरक्षा बलों की मांग करने के निर्देश दिए। मेला कंट्रोल रूम को सभी आवश्यक संसाधनों से सुसज्जित किया जाए, और सीमावर्ती राज्यों के जनपदों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित करते हुए नियमित रूप से सूचनाओं का आदान-प्रदान हो, जिससे मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। कुम्भ मेले की व्यवस्था को बेहतर, प्रभावी और सुरक्षित बनाने के लिए आवश्यक निर्माण कार्यों का पूर्व आकलन कर लिया जाए। सभी स्नान घाटों के आगमन और निकास बिंदुओं का स्पष्ट चिन्हांकरण किया जाए तथा किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए आपातकालीन निकासी योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और आपदा प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए पुलिस बल को विशेष तैराकी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, हरिद्वार को निर्देश दिया गया कि आगामी कुंभ मेला-2027 के लिए अभी से एक कोर टीम के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। इसके लिए टीम के संभावित सदस्यों की सूची तैयार कर समय पर उपलब्ध कराई जाए, ताकि निर्धारित अवधि में कोर टीम का गठन कर उन्हें जनपद हरिद्वार में तैनात किया जा सके। गोष्ठी में वी. मुरूगेशन, अपर पुलिस महानिदेशक. अपराध एवं कानून व्यवस्था, नीलेश आनन्द भरणे, पुलिस महानिरीक्षक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, नारायण सिंह नपलच्याल, पुलिस महानिरीक्षक/निदेशक यातायात, राजीव स्वरूप, पुलिस महानिरीक्षक, गढ़वाल परिक्षेत्र, धीरेन्द्र गुंज्याल, पुलिस उप महानिरीक्षक, अपराध एवं कानून व्यवस्था सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

संस्कृत विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण शिविर हुआ आयोजित

हरिद्वार । उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय में भारत स्वास्थ्य एवं शिक्षा पारिषद ने मेदांता हॉस्पिटल नोएडा के साथ मिलकर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी हरिद्वार डॉ आर के सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो दिनेश चन्द्र शास्त्री, रजिस्ट्रार गिरीश अवस्थी एवं भारत स्वास्थ्य एवं शिक्षा पारिषद के संस्थापक डॉ विकास दीक्षित उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मेदांता के विशेषज्ञों ने (जीवन रक्षक तकनीक) की जानकारी व प्रशिक्षण दिया। इस शिविर में विश्वविद्यालय के 200 से अधिक अध्यापकों व छात्रों ने ब्च्त् का प्रशिक्षण लिया। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आर के सिंह ने कहा कि हरिद्वार में यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण पहल है जिससे समाज के सभी लोगों की मदद हो सकेगी। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार गिरीश अवस्थी ने शिविर आयोजित करने पर भारत स्वास्थ्य एवं शिक्षा परिषद व मेदांता का धन्यवाद किया।

धूमधाम से मनाया जाएगा, हनुमान जन्मोत्सवः डॉ स्वामी संतोषानंद देव महाराज

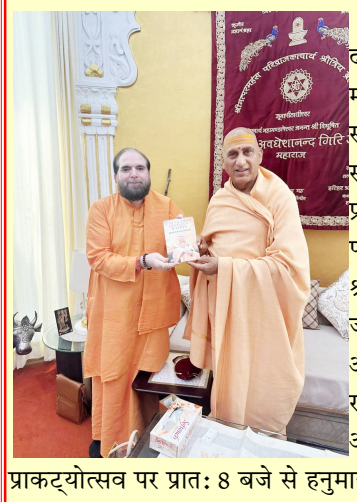

हरिद्वार । देवभूमि उत्तराखंड की पावन भूमि कुंभनगरी हरिद्वार में स्थित पौराणिक दक्षिणमुखी श्री मनोकामना स्वयंभू सिद्धपीठ अवधूत मंडल आश्रम बाबा हीरादास हनुमान मंदिर में शनिवार, 12 अप्रैल 2025 को हनुमानजी का प्रकटोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया जा रहा है। हनुमान मंदिर के पीठाधीश्वर महंत महामंडलेश्वर डॉ स्वामी संतोषानंद देव महाराज ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज, श्री तपोनिधि पंचायती अखाड़ा निरंजनी के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी जी महाराज, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मंशा देवी मंदिर ट्रस्ट व निरंजनी अखाड़े के श्री महंत रविन्द्र पुरी जी महाराज, पतंजलि योगपीठ के अध्यक्ष योग गुरु बाबा रामदेव, महामंत्री आचार्य बालकृष्ण, उत्तराखंड के मंत्री, आईएएस और पीसीएस अधिकारी मौजूद रहेंगे। डॉ स्वामी संतोषानंद देव महाराज ने बताया कि हनुमान प्राकट्योत्सव पर प्रातः 8 बजे से हनुमान जी का विशेष श्रृंगार, छप्पन भोग, हवन पूजन के उपरांत 11 बजे से महामंडलेश्वर, संतों एवं भक्तजनों के लिए भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि करीब 25 हजार से ज्यादा भक्तों लिए 12 बजे से देर रात्रि तक अनावरत भंडारा चलता रहेगा। इस पुण्य कार्य में सभी भक्तजन अपनी शक्ति और सामर्थ्य के अनुसार अधिक से अधिक तन मन धन से सहयोग कर धर्म लाभ कमाएं और पुण्य के भागी बने।

संदिग्ध परिस्थितियों में ट्रेन से कटकर आरपीएफ सिपाही की मौत

हरिद्वार । आरपीएफ (रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स) के एक सिपाही की हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध परिस्थितियों में ट्रेन से कटकर मौत हो गई। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है, लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। रेलवे ट्रैक पर धड़ और गर्दन अलग देखकर रेल यात्री सहम गए। जीआरपी और आरपीएफ की टीमों ने घटना की जानकारी लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। रेलवे पुलिस के मुताबिक, आरपीएफ में तैनात अरविंद तोमर निवासी सडकपुर जोनमाना थाना बढ़ौत, बागपत एक माह पहले ही वेस्टर्न रेलवे रतलाम से ट्रांसफर होकर हरिद्वार आया था। अरविंद की पत्नी पहले से रुड़की आरपीएफ में तैनात है। गुरुवार को अरविंद वर्दी पहन रेलवे स्टेशन पर पहुंचा और प्लेटफार्म नंबर एक पर संदिग्ध परिस्थितियों में हुगली एक्सप्रेस से कटकर उसकी मौत हो गई। ट्रेन गुजरने के बाद जब उसका धड़ और सिर अलग होने पर यात्रियों की भीड़ जमा हो गई।

हटाए कर्मचारियों के पक्ष में होगा आंदोलन

रुड़की । देवभूमि निकाय संयुक्त कर्मचारी महासंघ से संबद्ध भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश कार्यकारी सदस्य नरेश गोगलिया के नेतृत्व में सफाई कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारियों ने पूर्वी अंबर तालाब स्थित वाल्मीकि धर्मशाला में गुरुवार को बैठक आयोजित की। इस दौरान में नगर निगम रुड़की से बिना कारण बताए निकाले गए पांच पर्यावरण मित्र स्वच्छता समिति के सफाई कर्मचारियों को लेकर चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने कहा कि उन्हें बिना पूर्व सूचना या नोटिस के निकाला गया। इसके चलते उन्हें फरवरी माह का वेतन अब तक नहीं मिला है।

भेल की भूमि पर अवैध खनन रोकने गए सिक्योरिटी गार्डों पर हमला

हरिद्वार । भेल की भूमि पर अवैध खनन रोकने गए सिक्योरिटी गार्डों पर हमला करने के मामले में सिडकुल ने पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। वीडियो के आधार पर पुलिस ने खनन माफियाओं को चिह्नित करना शुरू कर दिया है। भेल के अधीन आने वाली जमीन पर चोरी छिपे अवैध खनन करने से जिला प्रशासन, खनन विभाग और पुलिस पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रबंधक नगर प्रशासन/सम्पदा विपुंज कुमार पुत्र वीरेंद्र नाथ तिवारी सेक्टर-1 भेल की तरफ से दी गई तहरीर में बताया गया कि बुधवार को बीएचईएल नगर प्रशासन को पावर ट्रांसमिशन कार्पोरेशन ऑफ उत्तराखंड लिमिटेड (पीटीसीयूएल) से सूचना मिली थी कि 132 केवी सिडकुल-ज्वालापुर ओवरहेड लाइन के टावर संख्या 15 व गेन्ट्री संख्या 4 के पास अवैध खनन किया जा रहा है।

अपर सचिव ने की स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी विकास कार्यों की समीक्षा

रुड़की । सूचना एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी की अपर सचिव नितिका खंडेलवाल ने गुरुवार को भगवानपुर ब्लॉक में मंडावर और चौली शहाबुद्दीनपुर में अलग-अलग स्कूलों का निरीक्षण किया। खंड शिक्षा अधिकारी अभिषेक शुक्ला ने भी स्कूलों में तकनीकी संसाधनों की आवश्यकता के संबंध में अपर सचिव को अवगत कराया। इसके बाद भगवानपुर ब्लॉक सभागार में अधिकारियों से क्षेत्र के विकास कार्यों का जायजा लिया। तहसील स्तर की समस्याओं को भी बारीकी से जानने का प्रयास किया। भगवानपुर ब्लॉक सभागार पहुंचकर तहसील, स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी विकास कार्यों एवं समस्याओं की जानकारी जुटाई।

गंगा घाटों पर गंगाजल की कमी के खिलाफ दिया धरना

हरिद्वार । महानगर व्यापार मंडल ने सर्वानंद घाट पर सिंचाई विभाग के खिलाफ सांकेतिक धरना देकर आक्रोश जताया। व्यापारियों ने गंगा घाटों पर कम पानी छोड़े का विरोध किया। उन्होंने इस बारे में प्रधानमंत्री मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ और सीएम धामी को पत्र भेजकर घाटों पर पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने की मांग की। महानगर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुनील सेठी के नेतृत्व में व्यापारियों ने गंगा की अविरल धारा के साथ छेड़छाड़ कर अनावश्यक कार्यों का विरोध किया। उन्होंने बताया कि लाखों गंगा भक्त श्रद्धालु स्नान करने आते हैं। इसके साथ ही मोक्ष द्वार श्मशान घाट भी इधर होने से यहां हजारों लोगों का आवागमन होता है लेकिन सर्वानंद से लेकर हरकी पैड़ी तक पिछले कई महीनों से घाटों को जलविहीन कर उनमें प्रदूषण कर गंगा की आस्था पर चोट पहुंचाई जा रही है।

स्वामी,मुद्रक व प्रकाशक अवनीश कुमार द्वारा भगवती प्रिंटर्स,इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार से छपवाकर ग्रा. बसवाखेड़ी पो. मंगलौर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) से प्रकाशित किया।

सम्पादकः अवनीश कुमार, मो० 9410553400

ई-मेलः liveskgnews@gmail.com

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार न्यायालय में ही होगा)

सभी लेखों में सम्पादक की सहमति जरूरी नही है।